ॐ विक्रम संवत् २०८०

ॐ

सत्येन रक्ष्यते धर्मो विद्याऽभ्यासेन रक्ष्यते।
मृज्यया रक्ष्यते रुपं कुलं वृत्तेन रक्ष्यते॥

धर्म की रक्षा सत्य से होती है,
विद्या की रक्षा अभ्यास से होती है,
रुप की रक्षा स्वच्छता से,
और कुल की रक्षा सद् आचरण से होती है।

विक्रम संवत्

२०८०

सामर्थ्य4भारत

www.samarthya4bharat.com

कर्म प्रधान विश्व रचि राखा। जो जस करहि सो तस फल चाखा।।

यह जगत कर्म प्रधान है। जो जैसा कर्म करता है, उसे वैसा ही फल प्राप्त होता है।

चैत्र/वैशाख

वि.सं. 2080

मार्च/अप्रैल 2023

वसंत ऋतु

रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
30 अप्रैल वैशाख शुक्ल पक्ष दशमी	*उगादी, गुड़ी पड़वा, चेती चाद, नवरेह सम्पर्क सूत्र @ 9354422798	**वैशाखी, बिहु, पाना संक्रांति, पोइला बोइशाख, पुथंडु	प्रथम नवरात्र 22 हिंदू चंद्र नव वर्ष विक्रम सम्वत 2080* चैत्र शुक्ल पक्ष प्रतिपदा	23 मार्च चैत्र शुक्ल पक्ष द्वितीया	गौरी तृतीया 24 गणगौर चैत्र शुक्ल पक्ष तृतीया	25 चैत्र शुक्ल पक्ष चतुर्थी
26 चैत्र शुक्ल पक्ष पंचमी	यमुना छठ 27 चैत्र शुक्ल पक्ष षष्ठी	28 चैत्र शुक्ल पक्ष सप्तमी	श्री दुर्गा अष्टमी 29 चैत्र शुक्ल पक्ष अष्टमी	श्री राम नवमी 30 चैत्र शुक्ल पक्ष नवमी	31 मार्च चैत्र शुक्ल पक्ष दशमी	कामदा एकादशी 1 अप्रैल चैत्र शुक्ल पक्ष एकादशी
2 चैत्र शुक्ल पक्ष द्वादशी	प्रदोष व्रत 3 चैत्र शुक्ल पक्ष द्वादशी	महावीर जयंती 4 चैत्र शुक्ल पक्ष त्रयोदशी	5 चैत्र शुक्ल पक्ष चतुर्दशी	श्री हनुमान जन्मोत्सव 6 गंगा स्नान पूर्णिमा चैत्र पूर्णिमा पूर्णिमा	7 वैशाख कृष्ण पक्ष प्रतिपदा	8 वैशाख कृष्ण पक्ष द्वितीया
9 वैशाख कृष्ण पक्ष तृतीया	10 वैशाख कृष्ण पक्ष चतुर्थी	11 वैशाख कृष्ण पक्ष पंचमी/षष्ठी	12 वैशाख कृष्ण पक्ष सप्तमी	13 वैशाख कृष्ण पक्ष अष्टमी	मेष संक्रान्ति** 14 हिंदू सूर्य नव वर्ष वैशाख कृष्ण पक्ष नवमी	15 वैशाख कृष्ण पक्ष दशमी
वैरूथिनी एकादशी 16 वैशाख कृष्ण पक्ष एकादशी	प्रदोष व्रत 17 वैशाख कृष्ण पक्ष द्वादशी	18 वैशाख कृष्ण पक्ष त्रयोदशी	19 वैशाख कृष्ण पक्ष चतुर्दशी	सूर्य ग्रहण 20 वैशाख कृष्ण पक्ष अमावस्या	21 वैशाख शुक्ल पक्ष प्रतिपदा	22 वैशाख शुक्ल पक्ष द्वितीया
श्री गणेश चतुर्थी आत 23 अक्षय तृतीया परशुराम जयंती वैशाख शुक्ल पक्ष तृतीया	24 वैशाख शुक्ल पक्ष चतुर्थी	आदि शंकराचार्य जयंती 25 वैशाख शुक्ल पक्ष पंचमी	26 वैशाख शुक्ल पक्ष षष्ठी	गंगा सप्तमी 27 वैशाख शुक्ल पक्ष सप्तमी	28 वैशाख शुक्ल पक्ष अष्टमी	सीता नवमी 29 वैशाख शुक्ल पक्ष नवमी

षड्दर्शन	सांख्य	योग	न्याय	वैशेषिक	मीमांसा	वेदान्त
प्रणेता ऋषि	कपिल	पतंजलि	गौतम	कणाद	जैमिनि	बादरायण

सामर्थ्य4भारत की पहल @9354422798

मान्धाता च महीपतिः कृतयुगालंकार भूतो गतः। सेतुर्येन महोदधौ विरचितः क्वासौ दशास्यान्तकः।।
अन्ये चापि युधिष्ठिर प्रभृतयो याता दिवम् भूपते। नैकेनापि समम् गता वसुमती नूनम् त्वया यास्यति।।

श्री मोहिनी अवतार

धर्मो रक्षति रक्षितः।

जो धर्म की रक्षा करता है,
धर्म भी उसकी रक्षा करता है।

वैशाख/ज्येष्ठ

वि.सं. 2080

मई 2023

ग्रीष्म ऋतु

रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
	मोहिनी एकादशी 1 वैशाख शुक्ल पक्ष एकादशी	2 वैशाख शुक्ल पक्ष द्वादशी	प्रदोष व्रत 3 वैशाख शुक्ल पक्ष त्रयोदशी	नरसिंह जयंती 4 वैशाख शुक्ल पक्ष चतुर्दशी	बुद्ध पूर्णिमा चंद्र ग्रहण उपच्छाया 5 वैशाख शुक्ल पक्ष पूर्णिमा	नारद जयंती 6 ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष प्रतिपदा
7 ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष द्वितीया	8 ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष तृतीया	9 ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष चतुर्थी	10 ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष पंचमी	11 ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष षष्ठी	12 ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष सप्तमी	13 ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष अष्टमी
14 ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष नवमी/दशमी	वृषभ संक्रांति अपरा एकादशी 15 ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष एकादशी	16 ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष द्वादशी	प्रदोष व्रत 17 ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष त्रयोदशी	18 ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष चतुर्दशी	वट सावित्री व्रत शनि जयंती 19 ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष अमावस्या	20 ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष प्रतिपदा
21 ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष द्वितीया	22 ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष तृतीया	23 ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष चतुर्थी	24 ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष पंचमी	25 ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष षष्ठी	26 ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष सप्तमी	27 ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष सप्तमी
28 ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष अष्टमी	29 ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष नवमी	श्री गंगा दशहरा 30 ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष दशमी	निर्जला एकादशी 31 ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष एकादशी			

सतयुग के अलंकार मान्धाता, समुद्र पर सेतु का निर्माण और दसमुख का वध करने वाले श्री राम और युधिष्ठिर जैसे सत्यवादी सम्राट भी धरती पर आये और चले गये। हे मुञ्ज! यह धरती किसी एक के भी साथ नहीं गयी, तो क्या तुम्हारे साथ जायेगी? नहीं!

समत्वं योग उच्यते।

श्री जगन्नाथ यात्रा

ज्येष्ठ/आषाढ़

वि.सं. 2080

जून 2023

ग्रीष्म ऋतु

रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
				प्रदोष व्रत 1 ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष द्वादशी	2 ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष त्रयोदशी	वट पूर्णिमा व्रत 3 ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष चतुर्दशी
4 ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष पूर्णिमा	5 आषाढ़ कृष्ण पक्ष प्रतिपदा	6 आषाढ़ कृष्ण पक्ष द्वितीया/तृतीया	7 आषाढ़ कृष्ण पक्ष चतुर्थी	8 आषाढ़ कृष्ण पक्ष पंचमी	9 आषाढ़ कृष्ण पक्ष षष्ठी	गायत्री जयन्ती 10 आषाढ़ कृष्ण पक्ष सप्तमी
11 आषाढ़ कृष्ण पक्ष अष्टमी	12 आषाढ़ कृष्ण पक्ष नवमी	13 आषाढ़ कृष्ण पक्ष दशमी	योगिनी एकादशी 14 आषाढ़ कृष्ण पक्ष एकादशी	मिथुन संक्राति प्रदोष व्रत 15 आषाढ़ कृष्ण पक्ष द्वादशी	16 आषाढ़ कृष्ण पक्ष त्रयोदशी	17 आषाढ़ कृष्ण पक्ष चतुर्दशी
18 आषाढ़ कृष्ण पक्ष अमावस्या	चंद्र दर्शन आषाढ़ नवरात्रि 19 आषाढ़ शुक्ल पक्ष प्रतिपदा	जगन्नाथ रथ यात्रा 20 आषाढ़ शुक्ल पक्ष द्वितीया	अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 आषाढ़ शुक्ल पक्ष तृतीया	श्री गणेश चतुर्थी 22 आषाढ़ शुक्ल पक्ष चतुर्थी	23 आषाढ़ शुक्ल पक्ष पंचमी	24 आषाढ़ शुक्ल पक्ष षष्ठी
25 आषाढ़ शुक्ल पक्ष सप्तमी	26 आषाढ़ शुक्ल पक्ष अष्टमी	27 आषाढ़ शुक्ल पक्ष नवमी	28 आषाढ़ शुक्ल पक्ष दशमी	देवशयनी एकादशी 29 आषाढ़ शुक्ल पक्ष एकादशी	30 आषाढ़ शुक्ल पक्ष द्वादशी	

योगस्थः कुरु कर्माणि सङ्गं त्यक्त्वा धनञ्जय। सिद्ध्यसिद्ध्योः समो भूत्वा समत्वं योग उच्यते।।2.48।।
हे धनञ्जय! तू आसक्ति का त्याग करके सिद्धि-असिद्धि में सम होकर योग में स्थित हुआ कर्मों को कर; क्योंकि समत्व ही योग कहा जाता है।

विद्यार्थी के पांच लक्षण

काक चेष्टा, बको ध्यानं, स्वान निद्रा तथैव च।
अल्पहारी, गृहत्यागी, विद्यार्थी पंच लक्षणम्॥

अहं ब्रह्मास्मि।
आत्मा ही ब्रह्म है।

आदि शंकराचार्य जी

आषाढ़/श्रावण

वि.सं. 2080

जुलाई 2023

वर्षा ऋतु

रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
प्रदोष व्रत 30 श्रावण शुक्ल पक्ष द्वादशी/त्रयोदशी	31 श्रावण शुक्ल पक्ष चतुर्दशी					प्रदोष व्रत 1 आषाढ़ शुक्ल पक्ष त्रयोदशी
2 आषाढ़ शुक्ल पक्ष चतुर्दशी	गुरु पूर्णिमा आषाढ़ पूर्णिमा 3 आषाढ़ शुक्ल पक्ष पूर्णिमा	4 श्रावण कृष्ण पक्ष प्रतिपदा	5 श्रावण कृष्ण पक्ष द्वितीया	संकष्टी चतुर्थी व्रत 6 श्रावण कृष्ण पक्ष तृतीया/चतुर्थी	7 श्रावण कृष्ण पक्ष पंचमी	8 श्रावण कृष्ण पक्ष षष्ठी
9 श्रावण कृष्ण पक्ष सप्तमी	10 श्रावण कृष्ण पक्ष अष्टमी	11 श्रावण कृष्ण पक्ष नवमी	12 श्रावण कृष्ण पक्ष दशमी	कामिका एकादशी 13 श्रावण कृष्ण पक्ष एकादशी	प्रदोष व्रत 14 श्रावण कृष्ण पक्ष द्वादशी	मासिक शिवरात्रि 15 श्रावण कृष्ण पक्ष त्रयोदशी
कर्क संक्रान्ति 16 श्रावण कृष्ण पक्ष चतुर्दशी	सोमवती अमावस्या 17 श्रावण कृष्ण पक्ष अमावस्या	अधिक मास आरम्भ 18 श्रावण शुक्ल पक्ष प्रतिपदा	19 श्रावण शुक्ल पक्ष द्वितीया	20 श्रावण शुक्ल पक्ष तृतीया	21 श्रावण शुक्ल पक्ष तृतीया	22 श्रावण शुक्ल पक्ष चतुर्थी
23 श्रावण शुक्ल पक्ष पंचमी	24 श्रावण शुक्ल पक्ष षष्ठी	25 श्रावण शुक्ल पक्ष सप्तमी	26 श्रावण शुक्ल पक्ष अष्टमी	27 श्रावण शुक्ल पक्ष नवमी	28 श्रावण शुक्ल पक्ष दशमी	पद्मिनी/पुरुषोत्तम एकादशी 29 श्रावण शुक्ल पक्ष एकादशी

उद्यमेन हि सिद्धयन्ति कार्याणि न मनोरथैः। न हि सुप्तस्य सिंहस्य प्रविशन्ति मुखे मृगाः।।

प्रयत्न करने से ही कार्य सिद्ध होते हैं, केवल इच्छा करने से नहीं, जैसे कि सोये हुए सिंह के मुँह में मृग अपने आप प्रवेश नहीं करते।

सानन्दमानन्दवने वसन्तं आनन्दकन्दं हतपापवृन्दम्।
वाराणसीनाथमनाथनाथं श्रीविश्वनाथं शरणं प्रपद्ये॥

जो भगवान् शंकर आनन्दवन काशी क्षेत्र में आनन्दपूर्वक निवास करते हैं, जो परमानन्द के निधान एवं आदिकारण हैं, और जो पाप समूह का नाश करने वाले हैं, मैं ऐसे अनाथों के नाथ काशीपति श्री विश्वनाथ की शरण में जाता हूँ।

श्री काशी विश्वनाथ धाम

श्रावण

वि.सं. 2080

अगस्त 2023

वर्षा ऋतु

रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
		श्रावण अधिकमास पूर्णिमा 1 श्रावण शुक्ल पक्ष पूर्णिमा	2 श्रावण कृष्ण पक्ष प्रतिपदा	3 श्रावण कृष्ण पक्ष द्वितीया	विभुवन संकष्टी चतुर्थी 4 श्रावण कृष्ण पक्ष तृतीया	5 श्रावण कृष्ण पक्ष चतुर्थी
6 श्रावण कृष्ण पक्ष पंचमी	7 श्रावण कृष्ण पक्ष षष्ठी	8 श्रावण कृष्ण पक्ष सप्तमी	9 श्रावण कृष्ण पक्ष अष्टमी	10 श्रावण कृष्ण पक्ष नवमी	11 श्रावण कृष्ण पक्ष दशमी	परम एकादशी 12 श्रावण कृष्ण पक्ष एकादशी
अधिक प्रदोष व्रत 13 श्रावण कृष्ण पक्ष द्वादशी	14 श्रावण कृष्ण पक्ष त्रयोदशी	स्वतंत्रता दिवस 15 श्रावण कृष्ण पक्ष चतुर्दशी/अमावस	अधिकमास समाप्त 16 श्रावण कृष्ण पक्ष अमावस्या	सिंह संक्रान्ति चन्द्र दर्शन 17 श्रावण शुक्ल पक्ष प्रतिपदा	18 श्रावण शुक्ल पक्ष द्वितीया	हरियाली तीज 19 श्रावण शुक्ल पक्ष तृतीया
20 श्रावण शुक्ल पक्ष चतुर्थी	नाग पञ्चमी 21 श्रावण शुक्ल पक्ष पंचमी	कल्कि जयन्ती 22 श्रावण शुक्ल पक्ष षष्ठी	23 श्रावण शुक्ल पक्ष सप्तमी	24 श्रावण शुक्ल पक्ष अष्टमी	वरलक्ष्मी व्रत 25 श्रावण शुक्ल पक्ष नवमी	26 श्रावण शुक्ल पक्ष दशमी
पुत्रदा एकादशी 27 श्रावण शुक्ल पक्ष एकादशी	प्रदोष व्रत 28 श्रावण शुक्ल पक्ष द्वादशी	ओणम 29 श्रावण शुक्ल पक्ष त्रयोदशी	रक्षा बन्धन 30 श्रावण शुक्ल पक्ष चतुर्दशी	गायत्री जयन्ती श्रावण पूर्णिमा 31 श्रावण शुक्ल पक्ष पूर्णिमा/प्रतिपदा		

होइहि सोइ जो राम रचि राखा। को करि तर्क बढ़ावै साखा॥

जो कुछ राम ने रच रखा है, वही होगा। तर्क करके कौन विस्तार बढ़ाये।

सेष महेस गनेस दिनेस, सुरेसहु जा हि निरंतर गावैं।
जाहि अनादि अनंत अखंड, अछेद अभेद सुवेद बतावैं।।
नारद से शुक व्यास रटें, पचि हारे तऊ पुनि पार ना पावैं।
ताहि अहीर की छोहरियां,छछिया भर छाछ पे नाच नचावैं।।

संत रसखान

भाद्रपद/आश्विन

वि.सं. 2080

सितम्बर 2023

वर्षा ऋतु

रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
					1 भाद्रपद कृष्ण पक्ष द्वितीया	कजरी तीज 2 भाद्रपद कृष्ण पक्ष तृतीया
हेरम्ब संकष्टी चतुर्थी 3 भाद्रपद कृष्ण पक्ष चतुर्थी	4 भाद्रपद कृष्ण पक्ष पंचमी	बलराम जयन्ती 5 भाद्रपद कृष्ण पक्ष षष्ठी	जन्माष्टमी *स्मार्त 6 भाद्रपद कृष्ण पक्ष सप्तमी	जन्माष्टमी *इस्कॉन दही हाण्डी 7 भाद्रपद कृष्ण पक्ष अष्टमी	8 भाद्रपद कृष्ण पक्ष नवमी	9 भाद्रपद कृष्ण पक्ष दशमी
अजा एकादशी 10 भाद्रपद कृष्ण पक्ष एकादशी	11 भाद्रपद कृष्ण पक्ष द्वादशी	प्रदोष व्रत 12 भाद्रपद कृष्ण पक्ष त्रयोदशी	13 भाद्रपद कृष्ण पक्ष चतुर्दशी	14 भाद्रपद कृष्ण पक्ष अमावस्या	15 भाद्रपद कृष्ण पक्ष अमावस्या	चंद्र दर्शन 16 भाद्रपद शुक्ल पक्ष प्रतिपदा
वराह जयन्ती विश्वकर्मा पूजा कन्या संक्रांति 17 भाद्रपद शुक्ल पक्ष द्वितीया	हरतालिका तीज 18 भाद्रपद शुक्ल पक्ष तृतीया	श्री गणेश चतुर्थी 19 भाद्रपद शुक्ल पक्ष चतुर्थी	ऋषि पंचमी 20 भाद्रपद शुक्ल पक्ष पंचमी	21 भाद्रपद शुक्ल पक्ष षष्ठी	22 भाद्रपद शुक्ल पक्ष सप्तमी	राधा अष्टमी 23 भाद्रपद शुक्ल पक्ष अष्टमी/नवमी
24 भाद्रपद शुक्ल पक्ष दशमी	परिवर्तिनी एकादशी 25 भाद्रपद शुक्ल पक्ष एकादशी	26 भाद्रपद शुक्ल पक्ष द्वादशी	प्रदोष व्रत 27 भाद्रपद शुक्ल पक्ष त्रयोदशी	गणेश विसर्जन अनन्त चतुर्दशी 28 भाद्रपद शुक्ल पक्ष चतुर्दशी	पूर्णिमा श्राद्ध पितृपक्ष प्रारम्भ भाद्रपद पूर्णिमा 29 भाद्रपद शुक्ल पक्ष पूर्णिमा	30 आश्विन कृष्ण पक्ष प्रतिपदा

शेषनाग, श्री गणेश, सूर्यदेव, इंद्रदेव आदि सब देवता गण एवं भगवान शिव, जिनकी पूजा करते हैं, जिनको वेद अनादि, अनंत, अखंड, अछेद बताते हैं। नारद, शुक और व्यास जैसे ऋषि इनके बारे में जानने का प्रयत्न करते हैं, पर हार जाते हैं। ऐसे श्री कृष्ण जी को अहीरों की कन्याएँ कटोरे भर छाछ के लिये नाच नचाती हैं।

नवरात्रि उत्सव बुलंदशहर

सर्वाबाधा प्रशमनं त्रैलोक्यस्याखिलेश्वरी।
एवमेव त्वया कार्यमस्मद्वैरि विनाशनम्।।

सर्वेश्वरि! आप इसी प्रकार तीनों लोकों की समस्त बाधाओं को शान्त करो और हमारे शत्रुओं का नाश करती रहो।

मातृदेवो भव।

आश्विन/कार्तिक

वि.सं. 2080

अक्टूबर 2023

शरद ऋतु

रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
1 आश्विन कृष्ण पक्ष द्वितीया	विघ्नराज संकष्टी चतुर्थी 2 आश्विन कृष्ण पक्ष तृतीया	3 आश्विन कृष्ण पक्ष चतुर्थी	4 आश्विन कृष्ण पक्ष पंचमी	5 आश्विन कृष्ण पक्ष षष्ठी	महालक्ष्मी व्रत पूर्ण जीवित्पुत्रिका व्रत 6 आश्विन कृष्ण पक्ष सप्तमी	7 आश्विन कृष्ण पक्ष अष्टमी
8 आश्विन कृष्ण पक्ष नवमी	9 आश्विन कृष्ण पक्ष दशमी	इन्दिरा एकादशी 10 आश्विन कृष्ण पक्ष एकादशी	प्रदोष व्रत 11 आश्विन कृष्ण पक्ष द्वादशी	12 आश्विन कृष्ण पक्ष त्रयोदशी	13 आश्विन कृष्ण पक्ष चतुर्दशी	सूर्य ग्रहण *खग्रास सर्वपितृ अमावस्या 14 आश्विन कृष्ण पक्ष अमावस्या
शारदीय नवरात्रि प्रारम्भ, घटस्थापना 15 आश्विन शुक्ल पक्ष प्रतिपदा	चन्द्र दर्शन 16 आश्विन शुक्ल पक्ष द्वितीया	17 आश्विन शुक्ल पक्ष तृतीया	तुला संक्रान्ति 18 आश्विन शुक्ल पक्ष चतुर्थी	19 आश्विन शुक्ल पक्ष पंचमी	सरस्वती आवाहन 20 आश्विन शुक्ल पक्ष षष्ठी	सरस्वती पूजा 21 आश्विन शुक्ल पक्ष सप्तमी
दुर्गा अष्टमी सरस्वती विसर्जन 22 आश्विन शुक्ल पक्ष अष्टमी	महा नवमी 23 आश्विन शुक्ल पक्ष नवमी	दुर्गा विसर्जन दशहरा 24 आश्विन शुक्ल पक्ष दशमी	पापांकुशा एकादशी 25 आश्विन शुक्ल पक्ष एकादशी	प्रदोष व्रत 26 आश्विन शुक्ल पक्ष द्वादशी/त्रयोदशी	27 आश्विन शुक्ल पक्ष चतुर्दशी	कोजागरी पूजा शरद पूर्णिमा महर्षि वाल्मिकी जयंती 28 आश्विन शुक्ल पक्ष पूर्णिमा
चन्द्र ग्रहण *आंशिक 29 कार्तिक कृष्ण पक्ष प्रतिपदा	30 कार्तिक कृष्ण पक्ष द्वितीया	31 कार्तिक कृष्ण पक्ष तृतीया			सम्पर्क सूत्र @ 9354422798	

सर्वमङ्गलमाङ्गल्ये शिवे सर्वार्थसाधिके। शरण्ये त्र्यम्बके गौरि नारायणि नमोऽस्तु ते॥

हे नारायणी! आप सब प्रकार का मङ्गल प्रदान करनेवाली मङ्गलमयी हो। कल्याणदायिनी शिवा हो। सब पुरुषार्थों को सिद्ध करनेवाली, शरणागत वत्सला, तीन नेत्रोंवाली माँ गौरी हो। आपको नमस्कार है।

जो आनंद सिंधु सुखरासी।
सीकर तें त्रैलोक सुपासी॥

सो सुखधाम राम अस नामा।
अखिल लोक दायक बिश्रामा॥

श्री बद्रीनाथ धाम

कार्तिक/मार्गशीर्ष

वि.सं. 2080

नवंबर 2023

शरद ऋतु

रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
			करवा चौथ वक्रतुण्ड संकष्टी चतुर्थी 1 कार्तिक कृष्ण पक्ष चतुर्थी	2 कार्तिक कृष्ण पक्ष पंचमी	3 कार्तिक कृष्ण पक्ष षष्ठी	4 कार्तिक कृष्ण पक्ष सप्तमी
अहोई अष्टमी राधा कुण्ड स्नान 5 कार्तिक कृष्ण पक्ष अष्टमी	6 कार्तिक कृष्ण पक्ष नवमी	7 कार्तिक कृष्ण पक्ष दशमी	8 कार्तिक कृष्ण पक्ष दशमी	गोवत्स द्वादशी रमा एकादशी 9 कार्तिक कृष्ण पक्ष एकादशी	धनतेरस प्रदोष व्रत 10 कार्तिक कृष्ण पक्ष द्वादशी	काली चौदस 11 कार्तिक कृष्ण पक्ष त्रयोदशी
दीपावली नरक चतुर्दशी 12 कार्तिक कृष्ण पक्ष चतुर्दशी	13 कार्तिक कृष्ण पक्ष अमावस्या	गोवर्धन पूजा भैया दूज नूतन वर्ष आरम्भ 14 कार्तिक शुक्ल पक्ष प्रतिपदा	चन्द्र दर्शन 15 कार्तिक शुक्ल पक्ष द्वितीया	16 कार्तिक शुक्ल पक्ष तृतीया	वृश्चिक संक्रान्ति 17 कार्तिक शुक्ल पक्ष चतुर्थी	18 कार्तिक शुक्ल पक्ष पंचमी
छठ पूजा 19 कार्तिक शुक्ल पक्ष षष्ठी/सप्तमी	20 कार्तिक शुक्ल पक्ष अष्टमी	21 कार्तिक शुक्ल पक्ष नवमी	कंस वध 22 कार्तिक शुक्ल पक्ष दशमी	देवोत्थान एकादशी 23 कार्तिक शुक्ल पक्ष एकादशी	तुलसी विवाह प्रदोष व्रत 24 कार्तिक शुक्ल पक्ष द्वादशी	25 कार्तिक शुक्ल पक्ष त्रयोदशी
देव दीपावली 26 कार्तिक शुक्ल पक्ष चतुर्दशी	गंगा स्नान गुरु नानक जयंती 27 कार्तिक शुक्ल पक्ष पूर्णिमा	28 मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष प्रतिपदा	29 मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष द्वितीया	संकष्टी गणेश चतुर्थी 30 मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष तृतीया		

ये जो आनंद के समुद्र और सुख की राशि हैं, जिस (आनंदसिंधु) के एक कण से तीनों लोक सुखी होते हैं, उन (आपके सबसे बड़े पुत्र) का नाम 'राम' है, जो सुख का भवन और संपूर्ण लोकों को शांति देनेवाला है।

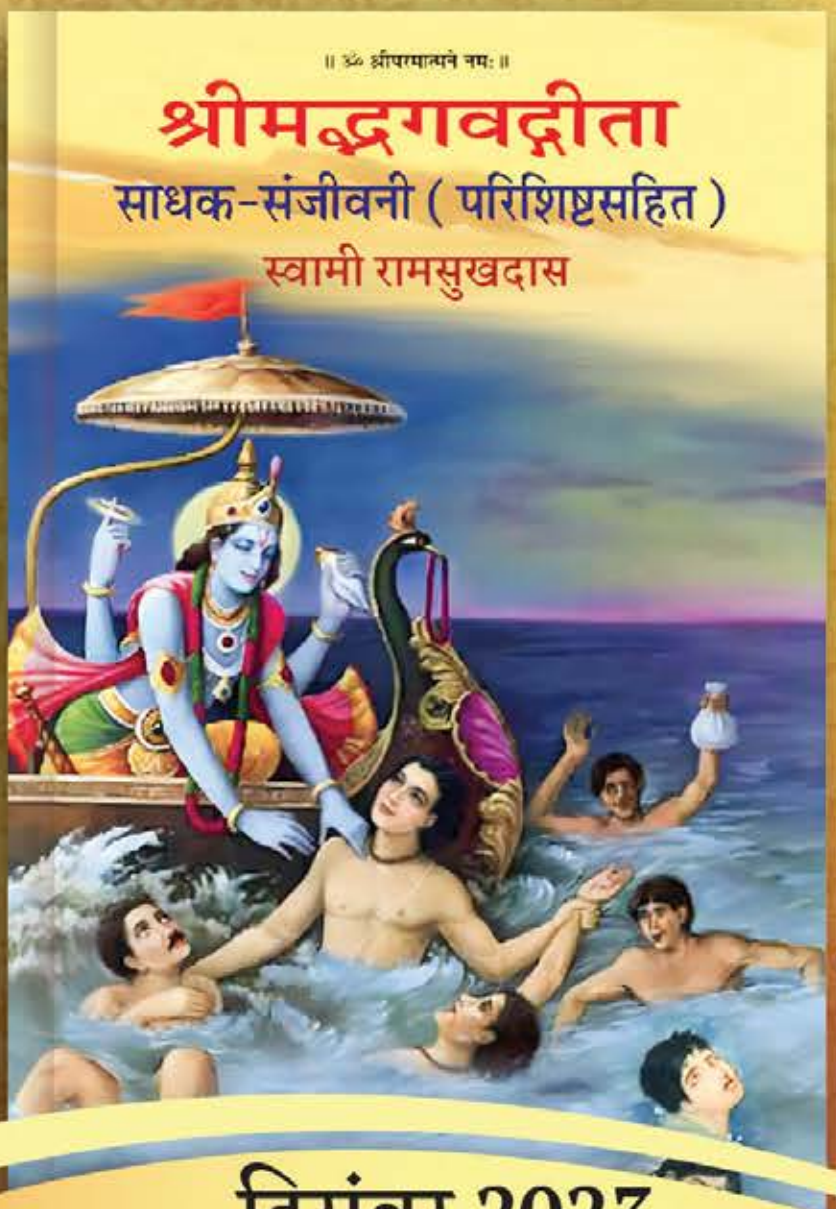

ये हि संस्पर्शजा भोगा दुःखयोनय एव ते।
आद्यन्तवन्तः कौन्तेय न तेषु रमते बुधः।।
।। 5.22 ।।

इन्द्रिय तथा विषयों के संयोग से उत्पन्न होने वाले जो भोग हैं वे दुःख के ही हेतु हैं, क्योंकि वे आदि-अन्त वाले हैं। बुद्धिमान् पुरुष उनमें नहीं रमता।।

दिसंबर 2023
हेमंत ऋतु

मार्गशीर्ष/पौष
वि.सं. 2080

रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
31 पौष कृष्ण पक्ष चतुर्थी					1 मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष चतुर्थी	2 मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष पंचमी
3 मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष षष्ठी	4 मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष सप्तमी	कालभैरव जयन्ती 5 मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष अष्टमी	6 मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष नवमी	संकष्टी चतुर्थी 7 मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष दशमी	उत्पन्ना एकादशी 8 मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष एकादशी	9 मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष द्वादशी
प्रदोष व्रत 10 मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष त्रयोदशी	11 मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष चतुर्दशी	12 मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष अमावस्या	13 मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष प्रतिपदा	चन्द्र दर्शन 14 मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष द्वितीया	15 मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष तृतीया	धनु संक्रान्ति 16 मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष चतुर्थी
श्री राम सीता विवाह पंचमी 17 मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष पंचमी	18 मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष षष्ठी	19 मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष सप्तमी	20 मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष अष्टमी	21 मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष नवमी	गीता जयन्ती मोक्षदा एकादशी 22 मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष दशमी	मोक्षदा एकादशी 23 मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष एकादशी/द्वादशी
प्रदोष व्रत 24 मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष त्रयोदशी	तुलसी पूजन दिवस 25 मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष चतुर्दशी	दत्तात्रेय जयन्ती 26 मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष पूर्णिमा	27 पौष कृष्ण पक्ष प्रतिपदा	28 पौष कृष्ण पक्ष द्वितीया	29 पौष कृष्ण पक्ष द्वितीया	अखुरथ संकष्टी चतुर्थी 30 पौष कृष्ण पक्ष तृतीया

शक्नोतीहैव यः सोढुं प्राक्शरीरविमोक्षणात्। कामक्रोधोद्भवं वेगं स युक्तः स सुखी नरः।5.23।
जो मनुष्य इसी लोक में शरीर त्यागने के पूर्व ही काम और क्रोध से उत्पन्न हुए वेग को सहन करने में समर्थ है, वह योगी (युक्त) और सुखी मनुष्य है।

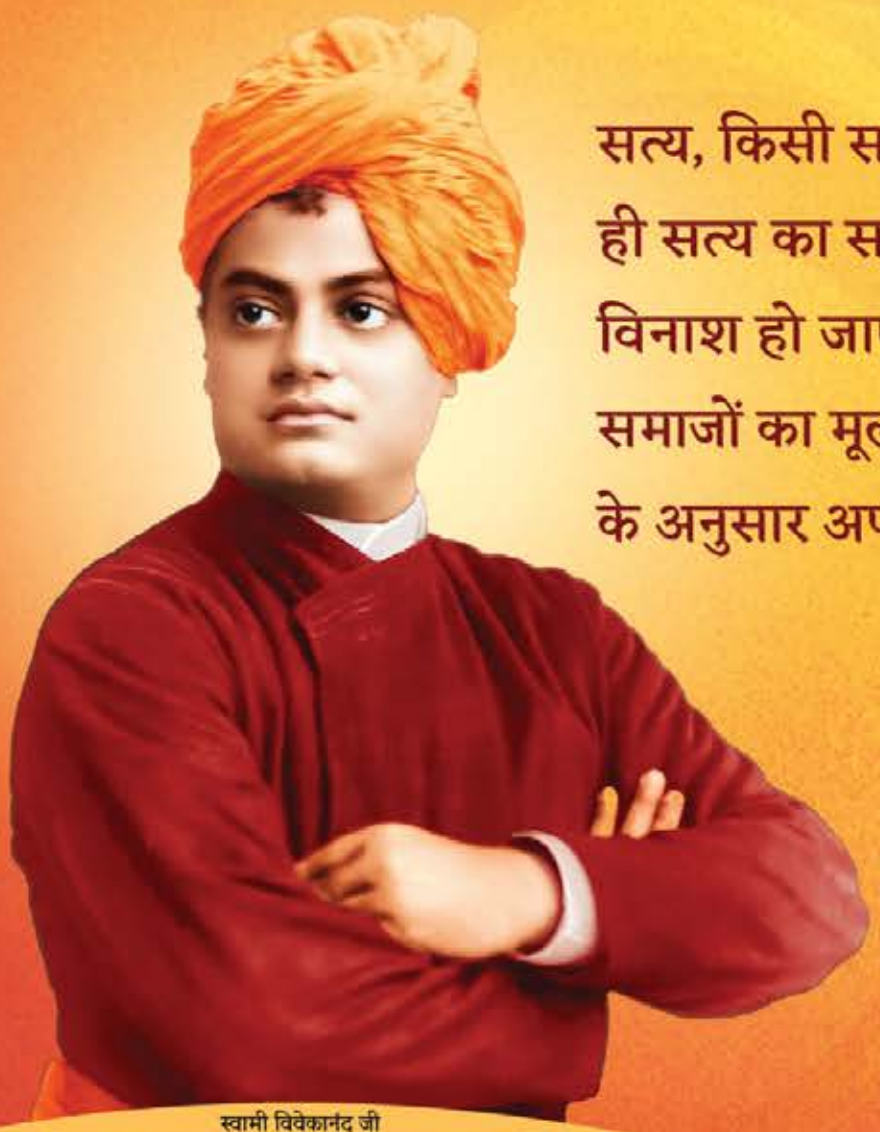

स्वामी विवेकानंद जी

सत्य, किसी समाज का सम्मान नहीं करता। समाज को ही सत्य का सम्मान करना पड़ेगा, अन्यथा समाज का विनाश हो जाएगा। सत्य ही समस्त प्राणियों और समाजों का मूल आधार है, अतः सत्य कभी भी समाज के अनुसार अपना गठन नहीं करेगा।

पौष/माघ

वि.सं. 2080

जनवरी 2024

शिशिर ऋतु

रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
	1 पौष कृष्ण पक्ष पंचमी	2 पौष कृष्ण पक्ष षष्ठी	3 पौष कृष्ण पक्ष सप्तमी	4 पौष कृष्ण पक्ष अष्टमी	5 पौष कृष्ण पक्ष नवमी	6 पौष कृष्ण पक्ष दशमी
सफला एकादशी 7 पौष कृष्ण पक्ष एकादशी	8 पौष कृष्ण पक्ष द्वादशी	प्रदोष व्रत 9 पौष कृष्ण पक्ष त्रयोदशी	10 पौष कृष्ण पक्ष चतुर्दशी	11 पौष कृष्ण पक्ष अमावस्या	चंद्र दर्शन स्वामी विवेकानंद जयंती 12 पौष शुक्ल पक्ष प्रतिपदा	13 पौष शुक्ल पक्ष द्वितीया
14 पौष शुक्ल पक्ष तृतीया/चतुर्थी	मकर संक्रान्ति पोंगल 15 पौष शुक्ल पक्ष पंचमी	16 पौष शुक्ल पक्ष षष्ठी	17 पौष शुक्ल पक्ष सप्तमी	18 पौष शुक्ल पक्ष अष्टमी	19 पौष शुक्ल पक्ष नवमी	20 पौष शुक्ल पक्ष दशमी
पौष पुत्रदा एकादशी, वैकुंठ एकादशी 21 पौष शुक्ल पक्ष एकादशी	22 पौष शुक्ल पक्ष द्वादशी	प्रदोष व्रत 23 पौष शुक्ल पक्ष त्रयोदशी	24 पौष शुक्ल पक्ष चतुर्दशी	शाकम्भरी पूर्णिमा 25 पौष शुक्ल पक्ष पूर्णिमा	गणतंत्र दिवस 26 माघ कृष्ण पक्ष प्रतिपदा	27 माघ कृष्ण पक्ष द्वितीया
28 माघ कृष्ण पक्ष तृतीया	सकट चौथ लम्बोदर संकष्टी चतुर्थी 29 माघ कृष्ण पक्ष चतुर्थी	30 माघ कृष्ण पक्ष चतुर्थी	31 माघ कृष्ण पक्ष पंचमी			

वही समाज सब से श्रेष्ठ है, जहाँ सभी सत्यों को कार्य में परिवर्तित किया जा सकता है। यदि समाज इस समय उच्चतम सत्यों को स्थान देने में समर्थ नहीं है, तो उसे इस योग्य बनाओ। और जितना शीघ्र तुम ऐसा कर सको, उतना ही अच्छा है।

जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी।

जननी और जन्मभूमि स्वर्ग से भी श्रेष्ठ हैं।

छत्रपति शिवाजी महाराज

माघ/फाल्गुन

वि.सं. 2080

फरवरी 2024

शिशिर ऋतु

रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
				1 माघ कृष्ण पक्ष षष्ठी	2 माघ कृष्ण पक्ष सप्तमी	3 माघ कृष्ण पक्ष अष्टमी
4 माघ कृष्ण पक्ष नवमी	5 माघ कृष्ण पक्ष दशमी	षटतिला एकादशी 6 माघ कृष्ण पक्ष एकादशी	प्रदोष व्रत 7 माघ कृष्ण पक्ष द्वादशी	8 माघ कृष्ण पक्ष त्रयोदशी	मौनी अमावस 9 माघ कृष्ण पक्ष चतुर्दशी/अमावस्या	10 माघ शुक्ल पक्ष प्रतिपदा
चंद्र दर्शन 11 माघ शुक्ल पक्ष द्वितीया	12 माघ शुक्ल पक्ष तृतीया	कुम्भ संक्रान्ति 13 माघ शुक्ल पक्ष चतुर्थी	वसन्त पञ्चमी 14 माघ शुक्ल पक्ष पंचमी	15 माघ शुक्ल पक्ष षष्ठी	रथ सप्तमी, भीष्म अष्टमी 16 माघ शुक्ल पक्ष सप्तमी	17 माघ शुक्ल पक्ष अष्टमी
18 माघ शुक्ल पक्ष नवमी	छत्रपति शिवाजी जयंती 19 माघ शुक्ल पक्ष दशमी	जया एकादशी 20 माघ शुक्ल पक्ष एकादशी	प्रदोष व्रत 21 माघ शुक्ल पक्ष द्वादशी	22 माघ शुक्ल पक्ष त्रयोदशी	23 माघ शुक्ल पक्ष चतुर्दशी	24 माघ शुक्ल पक्ष पूर्णिमा
25 फाल्गुन कृष्ण पक्ष प्रतिपदा	26 फाल्गुन कृष्ण पक्ष द्वितीया	27 फाल्गुन कृष्ण पक्ष तृतीया	द्विजप्रिय संकष्टी चतुर्थी 28 फाल्गुन कृष्ण पक्ष चतुर्थी	29 फाल्गुन कृष्ण पक्ष पंचमी		

अधर्मेणैधते तावत् ततो भद्राणि पश्यति। ततः सपत्नान् जयति समूलस्तु विनश्यति॥१७४॥

अधर्म से व्यक्ति पहले अल्पकाल के लिए उन्नति करता, सुख भोगता व शत्रुओं पर विजय प्राप्त करता हुआ प्रतीत होता हैं, परन्तु अंत में समूल नष्ट हो जाता है।

इस कारण मनुष्य को क्षणिक लाभ के लिए सत्य और धर्म का त्याग कदापि नहीं करना चाहिए।

अविनाशी तत्त्व (ब्रह्म) ही सत्य है,
ये भौतिक संसार असत्य है,
(नाशवान्) है।

ब्रह्म सत्यं जगत् मिथ्या।

फाल्गुन/चैत्र

वि.सं.2080

मार्च 2024

वसंत ऋतु

रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
31 चैत्र कृष्ण पक्ष षष्ठी	सोमवती अमावस्या चैत्र कृष्ण पक्ष विक्रम सम्वत 2080 समाप्त 8 अप्रैल सम्पर्क सूत्र @9354422798				1 फाल्गुन कृष्ण पक्ष षष्ठी	2 फाल्गुन कृष्ण पक्ष षष्ठी
3 फाल्गुन कृष्ण पक्ष सप्तमी	4 फाल्गुन कृष्ण पक्ष अष्टमी	5 फाल्गुन कृष्ण पक्ष नवमी/दशमी	विजया एकादशी 6 फाल्गुन कृष्ण पक्ष एकादशी	7 फाल्गुन कृष्ण पक्ष द्वादशी	महा शिवरात्रि, प्रदोष व्रत 8 फाल्गुन कृष्ण पक्ष त्रयोदशी	9 फाल्गुन कृष्ण पक्ष चतुर्दशी
10 फाल्गुन कृष्ण पक्ष अमावस्या	11 फाल्गुन शुक्ल पक्ष प्रतिपदा	12 फाल्गुन शुक्ल पक्ष द्वितीया/तृतीया	13 फाल्गुन शुक्ल पक्ष चतुर्थी	मीन संक्रान्ति 14 फाल्गुन शुक्ल पक्ष पंचमी	15 फाल्गुन शुक्ल पक्ष षष्ठी	16 फाल्गुन शुक्ल पक्ष सप्तमी
17 फाल्गुन शुक्ल पक्ष अष्टमी	18 फाल्गुन शुक्ल पक्ष नवमी	19 फाल्गुन शुक्ल पक्ष दशमी	आमलकी एकादशी 20 फाल्गुन शुक्ल पक्ष एकादशी	21 फाल्गुन शुक्ल पक्ष द्वादशी	22 फाल्गुन शुक्ल पक्ष त्रयोदशी	23 फाल्गुन शुक्ल पक्ष त्रयोदशी
छोटी होली, होलिका दहन 24 फाल्गुन शुक्ल पक्ष चतुर्दशी	वसन्त पूर्णिमा, होली, चन्द्र ग्रहण 25 फाल्गुन शुक्ल पक्ष पूर्णिमा	26 चैत्र कृष्ण पक्ष प्रतिपदा	27 चैत्र कृष्ण पक्ष द्वितीया	28 चैत्र कृष्ण पक्ष तृतीया	29 चैत्र कृष्ण पक्ष चतुर्थी	30 चैत्र कृष्ण पक्ष पंचमी

उठो, इस भ्रम को मिटा दो कि तुम निर्बल हो। तुम एक अमर आत्मा हो, स्वच्छंद जीव हो, धन्य हो, सनातन हो। तुम तत्त्व नहीं हो, तत्त्व तुम्हारा सेवक है, तुम तत्त्व के सेवक नहीं हो।

यद्यपि कलैंडर की सामग्री को त्रुटिहीन रखने का यथासंभव प्रयास किया गया है, तथापि किसी भी निर्णय के लिए अपने स्थानीय विशेषज्ञ से संपर्क अवश्य करें।

सामर्थ्य4भारत की पहल @9354422798